සියලු ම හිමිකම් ඇවිරිණි / முழுப் பதிப்புரிமையுடையது / All Rights Reserved

ශ්‍රී ලංකා විභාග දෙපාර්තමේන්තුව
இலங்கைப் பரீட்சைத் திணைக்களம்
Department of Examinations, Sri Lanka

අධ්‍යයන පොදු සහතික පත්‍ර (උසස් පෙළ) විභාගය, 2017 අගෝස්තු
கல்விப் பொதுத் தராதரப் பத்திர (உயர் தரப் பரீட்சை, 2017 ஓகஸ்ற்
General Certificate of Education (Adv. Level) Examination, August 2017

හින්දි II ஹிந்தி II Hindi II	84 STE II	පැය තුනයි மூன்று மணித்தியாலம் Three hours

केवल पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। भाग I के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। भाग II तथा भाग III में से एक-एक प्रश्न को चुनना अनिवार्य है।

भाग I

01. (क) निम्नलिखित अवतरणों में से **किसी एक** का सिंहली/तमिल/अंग्रेज़ी में अनुवाद कीजिए। (15 अंक)

(i) देखिए, शायद आप लोग व्रत के बारे में भी सुनना पसंद करते होंगे। वर्ष के लगभग सभी महीनों में कोई-न-कोई व्रत रखा जाता है। इनमें 'रामनवमी का व्रत' 'कृष्ण जन्माष्टमी का व्रत' 'एकादशी का व्रत' आदि प्रसिद्ध हैं। 'एकादशी में निर्जल', इसका मतलब बिना पानी पिये, व्रत रखने का नियम है। 'संकट चौथ व्रत' में बाधाओं को दूर करने की कामना करते हैं। 'शिवरात्री व्रत' में निर्जल रहते हैं या केवल फल (फलाहार) खाकर व्रत रखते हैं। 'करवा चौथ' व्रत का दृश्य तो आप लोगों ने हिंदी फ़िल्मों में ज़रूर देखा होगा। हाँ, यह व्रत केवल सुहागन स्त्रियाँ ही रखती हैं। इसमें स्त्रियाँ चंद्रदेव की उपासना करती हैं। स्त्रियाँ हमेशा सौभाग्यवती बने रहने की प्रार्थना करती हैं। दूसरे शब्दों में कहे तो अपने पति की दीर्घायु की कामना। इसके अलावा अविवाहित युवतियाँ भी अनेक व्रत रखती हैं और पुरुष भी व्रत रखते हैं।

(ii) इतने में एक आदमी उधर आ निकला। सबको रोता हुआ देखकर बोला 'अरे, तुम सब क्यों रो रहे हो?'

उनमें से एक ने उत्तर दिया 'श्रीमान! हम घर से दस मित्र चले थे। सबने नाव से नदी पार की। इधर गिना तो नौ ही रह गये। पता नहीं हमारा दसवाँ मित्र कहाँ रह गया।'

उसने सब पर निगाह दौड़ायी और समझ गया कि वे सब मूर्ख हैं। तब उसने उन्हें बताया, 'देखो मेरे पास यह जादू का डंडा है। तुम सब लाइन में बैठ जाओ। मैं बारी-बारी से सबकी पीठ पर यह डंडा पटकाऊँगा और गिनता चला जाऊँगा तुम्हारा दसवाँ मित्र तुम्हें मिल जाएगा। तुम मेरी गिनती सुनते चले जाना।'

वह लाइन में बैठे हुए लोगों की पीठ पर डंडा पटकाता और गिनता चला गया।- एक, दो, तीन, चार ....दस।

मित्र भी साथ-साथ गिनते चले गये और दसवीं गिनती सुनते ही सब उछलकर खड़े हो गये।

(ख) निम्नलिखित अवतरण का **हिंदी में** अनुवाद कीजिए। (20 अंक)

සුරංගි ගෙයින් පිටතට පැමිණියා ය. ඇය මිදුලේ අඹ ගස උඩ සිටි වඳුරා දැක මවිතයට පත්වුවා ය. වඳුරා ඉදුණු අඹ සියල්ල කමින් සිටියේ ය. ඇ වහා අත් ඔසවා වඳුරාට කෑගැසුවා ය. වඳුරා බිය වූයේ ද උගේ කාර්යය නැවැත්වූයේ ද නැත. සුරංගි ගස ළඟට කිට්ටු වී වඳුරා එළවීම සඳහා ගල් ගැසීමට පටන් ගත්තා ය. කෝපයට පත් වඳුරා ගසින් බැසවිත් සුරංගිගේ ඇඟට පැන්නේ ය. ඇ හයියෙන් හැඬීමට පටන් ගත්තා ය. ඇගේ හැඬීම ඇසී නිවස තුළ සිටි මව "මොකද ළමයෝ?" යි කියමින් කෑගසමින් දිව ආවා ය. සුරංගි මව වෙත දිවගොස් ඇගේ ඇඟේ එල්ලුනා ය.

சுதா வீட்டிலிருந்து வெளியே வந்தாள். அவள் வீட்டு முற்றத்தில் இருக்கும் மாமரத்தின் மீது குரங்கொன்று இருப்பதைக் கண்டு ஆச்சரியமடைந்தாள். குரங்கு எல்லா பழுத்த மாம்பழங்களையும் சாப்பிட்டுக் கொண்டிருந்தது. அவள் உடனே தனது கைகளை உயர்த்தி குரங்கை நோக்கிச் சத்தமிட்டாள். குரங்கு பயப்படவோ, உண்பதை நிறுத்தவோ இல்லை. சுதா குரங்கை விரட்டுவதற்காக மரத்தினருகே சென்று கற்களை வீசத் தொடங்கினாள். கோபமடைந்த குரங்கு மரத்திலிருந்து இறங்கி வந்து சுதாவின் மீது பாய்ந்தது. அவள் சத்தமாக அழத் தொடங்கினாள். வீட்டின் உள்ளே இருந்த சுதாவின் தாய் அவள் அழும் சத்தத்தைக் கேட்டு "என்ன பிள்ளை?" எனச் சத்தமிட்டவாறு வெளியே ஓடி வந்தாள். சுதா ஓடிச் சென்று தாயின் உடலில் தொற்றிக் கொண்டாள்.

Surangi came out of the house. She was surprised when she saw the monkey who was on the mango tree in the compound. The monkey was eating all the ripen mangoes. She quickly raised her hands and shouted at the monkey. The monkey was neither scared nor it stopped its work. Surangi approached the tree and started throwing stones to chase away the monkey. The monkey got angry, climbed down the tree and jumped at Surangi. She had started crying loudly. Hearing her cry, her mother who was inside the house ran out shouting, "What's the matter child?" Surangi ran to her mother and hung up on her.

02. निम्नलिखित विषयों में से **किसी एक** विषय पर हिंदी में लगभग 120 शब्दों का निबंध लिखिए। (20 अंक)

(i) स्कूल का पहला दिन (ii) यदि मैं अध्यापक बनूँ

(iii) वृक्षों का उपयोग (iv) मेरे जीवन की अविस्मरणीय घटना

03. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए और पूछे गये प्रश्नों के **हिंदी में** उत्तर दीजिए।

वैदिक काल में नारी को गौरवपूर्ण अधिकार प्राप्त था। वह जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में पुरुष की सहभागिनी थी। युद्ध-भूमि और संकट के समय में भी नारियाँ पुरुषों का साथ देती थी। लोमशा, लोपामुद्रा आदि विदूषी नारियों ने ऋग्वेद के अनेक सूक्तियों की रचना भी की थी। अनुसुइया, सावित्री, सीता आदि भारत की सती नारी के आदर्श हैं। महाभारत काल में नारी पारिवारिक, सामाजिक, राजनीतिक गतिविधियों को संचालित करनेवाली केंद्रीय शक्ति रही। गंधारी, कुंती और द्रौपदी तत्कालीन भारतीय नारी के पत्नीत्व, मातृत्व और शक्ति रूप के आदर्श हैं। उपनिषद, स्मृति, पौरानिक संस्कृति में नारी की अनंत महिमा का गान है।

(i) वैदिक काल में नारी का स्थान कैसा था? (02 अंक)

(ii) वह पुरुषों की क्या थी? (02 अंक)

(iii) युद्ध-भूमि में नारियाँ क्या करती थीं? (02 अंक)

(iv) ऋग्वेद की सूक्तियों की रचना किसने की थी? (03 अंक)

(v) अनुसुइया, सावित्री, सीता आदि कैसी नारियाँ थीं? (02 अंक)

(vi) महाभारत काल की नारी कैसी थी? (02 अंक)

(vii) इस गद्यांश में किस विषय की चर्चा हो रही है? (02 अंक)

भाग II

04. निम्नलिखित वाक्य खंडों के आधार पर लगभग 75 शब्दों की **कहानी हिंदी में** लिखिए। (15 अंक)

एक लोमड़ी था। ....उन्होंने अंगूर के गुच्छे को देखा । ....
लोमड़ी उन्हें नहीं तोड़ सका। ....वह जंगल में चला गया।

05. अपना जन्म दिन मनाने की तैयारी का वर्णन करते हुए अपने किसी मित्र के नाम पर एक पत्र लिखिए। (15 अंक)

भाग III

06. कोष्ठक में दिये प्रश्नों के अनुसार निम्नलिखित अवतरणों का संदर्भ लिखिए। (15 अंक)
(किस रचयिता के किस पाठ से उद्धृत है? किसने; किससे; क्यों कहा है?)

(i) "हिंसा और सेवा, इन दोनों में कितना विरोध है, भाई! किंतु मेरे नगर-निवासी चाहते हैं, तो उनकी इच्छाओं की अवहेलना भी नहीं होनी चाहिए।"

(ii) "पूजा-पाठ, व्रत सब ढकोसला है। जो भाग्य में नहीं, वह पूजा-पाठ से कभी प्राप्त नहीं हो सकता। मेरा यह अटल विश्वास है।"

(iii) "जिस धन को मैं तुझे त्यागने का उपदेश देता रहा हूँ, उसकी माया में मुझे क्यों फँसाता है? जो तेरे लिए मिट्टी है, मेरे लिए मिट्टी तो और भी पहले है। मैं इसमें हाथ नहीं लगा सकता।"

अथवा

निम्नलिखित पद्यांश की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए। (15 अंक)

इस घमंड़ में सिर ऊँचाकर, लगा व्योम में दृष्टि।
अहंकार की आँखों से वह, देख रहा है सृष्टि।

इतने में ही लगा हवा का हलका झोंका एक।
सिर नीचा हो गया, बुझ गया, रही, धुएँ की रेख।

मिटा गया हलका-सा झोंका ही दीपक को एक।
और खिँच गयी उसके मस्तक पर कलंक की रेख।

अहंकार का सदा जगत में, होता दुष्परिणाम।
करो बिना अभिमान तुम्हें जो कुछ करना है काम।

07. छायावादोत्तर युग के गद्य साहित्य का परिचय दीजिए। (15 अंक)
(उत्तर सिंहली/अंग्रेज़ी/हिंदी में दिया जा सकता है)

अथवा

निम्नलिखित साहित्यकारों में से **किन्हीं दो** की व्यक्तित्व तथा साहित्यिक सेवाओं का संक्षिप्त परिचय दीजिए। (15 अंक)

(i) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' (ii) प्रेमचंद (iii) महादेवी वर्मा

* * *